बर्षः- 06
अंकः- 102
मुरादाबाद
(Saturday)
01 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (UPITS)-2026 की तैयारियों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि UPITS-2026 उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, नवाचार, उत्पादों एवं निर्यात सामर्थ्य को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रभावी मंच है। यह केवल व्यापार प्रदर्शनी नहीं, बल्कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड के विजन को आगे बढ़ाने वाला वैश्विक मंच है।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले PITS-2026 का देश-विदेश में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

UPITS-2026 की थीम 'UP for Global Growth: Innovation, Manufacturing and E&ports' होगी। आयोजन में 2,400+ प्रदर्शकों, 1.50 लाख+ B2B खरीदारों, 4.50 लाख+ B2C आगंतुकों तथा 85 देशों से 550+ अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ट्रेड शो के दौरान 4,000+ Mo, 3,200 करोड़+ के प्रस्तावित MoU तथा 13,500 करोड़+ की बिजनेस इंक्रायरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।मुख्यमंत्री जी ने सिंगापुर, ओमान, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, थाईलैंड, जापान, इंडोनेशिया, रूस सहित अन्य देशों के साथ सक्रिय संवाद स्थापित कर उनकी अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश की विविध औद्योगिक एवं आर्थिक क्षमता को एक ही मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, उद्यमियों एवं आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उद्यमी मित्रों की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा स्थानीय विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता हो। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन, पार्किंग, सुरक्षा, आधारभूत सुविधाओं एवं आगंतुकों की सुविधा के लिए ईवी बसों का संचालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि यह आयोजन उत्तर प्रदेश की औद्योगिक प्रगति, निवेश अनुकूल वातावरण एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रभावी परिचायक बन सके।

संक्षिप्त समाचार

देश में पहली बार लाइव हार्ट लेकर दौड़ी वंदे भारत

रेलवे के मुताबिक, वंदे भारत एक्सप्रेस की तेज रफ्तार, समय पालन और भरोसेमंद सेवा ने इस जीवन रक्षक अभियान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।भारतीय रेलवे ने पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए जीवित हृदय (लाइव हार्ट) को सफलतापूर्वक एक शहर से दूसरे शहर पहुंचाकर नई उपलब्धि हासिल की है। सूरत से अहमदाबाद तक हृदय को मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस (20901) से तय समय के भीतर सुरक्षित पहुंचाया गया।ट्रेन ने ढाई घंटे में यह दूरी तय की। सूरत से अहमदाबाद ले जाना था जिंदा दिल- यह हृदय यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद में प्रत्यारोपण (हार्ट ट्रांसप्लांट) के लिए भेजा गया। रेलवे का कहना है कि यह ऑपरेशन समयबद्ध और सुरक्षित तरीके से पूरा किया गया, जो गंभीर मरीजों तक अंगों को तेजी से पहुंचाने की दिशा में अहम उपलब्धि है। इसे सफल बनाने में भारतीय रेलवे, गुजरात पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और डॉक्टरों की टीम ने मिलकर काम किया।अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 से यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर तक हृदय को बिना किसी रुकावट पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। अधिकारियों के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए जीवित हृदय को सूरत से अहमदाबाद तक सुरक्षित और तय समय में पहुंचाना भारतीय रेलवे के लिए गर्व की बात है।

इस्तेमाल देश में कब से अपराध, लोग रोजाना ऐसी भाषा का करते हैं इस्तेमाल

जंतर-मंतर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल पर एक लड़की के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने इसका विरोध किया। दास ने कहा, अपशब्दों का इस्तेमाल अपराध नहीं, जबकि कई सांसदों पर गंभीर मामले हैं।जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर नोएडा की एक लड़की के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर का विरोध जताया है। कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, %विरोध प्रदर्शन के दौरान अपशब्दों के इस्तेमाल की निंदा की जा सकती है। लेकिन, पुलिस के जरिए उन्हें निशाना बनाने और परेशान करने के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली का इस्तेमाल करना बिल्कुल भी सही नहीं है। सौरभ दास ने कहा, इस देश में अपशब्दों का इस्तेमाल करना कब से अपराध हो गया? लोग रोजमर्रा की जिंदगी में अक्सर ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। लोकसभा के 50% सांसदों पर आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें बलात्कार, हत्या और डकैती जैसे गंभीर अपराध भी शामिल हैं, फिर भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। आप बस उन्हें अलग-थलग करके एक मिसाल बनाना चाहते हैं। सौरव ने आगे कहा, यह पूरी तरह से निंदनीय है। मैं एक बार फिर सरकार और उसकी पुलिस व्यवस्था से अपील करता हूं कि वे युवाओं को परेशान करना बंद करें। इस तरह से युवाओं को निशाना बनाना बंद करें और इस लड़की को छोड़ दें। ऐसे मामलों में पुलिस बल का इस तरह का दुरुपयोग बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।%दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में आरोपी युवती रुचिका के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। चूंकि घटनास्थल दिल्ली में है, इसलिए नोएडा पुलिस ने वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद मामले को आगे की तफ्तीश के लिए संबंधित दिल्ली पुलिस को हस्तांतरित कर दिया है। अधिवक्ता ने दर्ज कराई प्राथमिकी- यह कार्रवाई गाजियाबाद के वसुंधरा क्षेत्र की रहने वाली अधिवक्ता स्मृति सिंह की शिकायत पर की गई है। शिकायत के मुताबिक, नोएडा के सेक्टर-168 स्थित एक हाईराइज सोसायटी में रहने वाली रुचिका सिंह ने जंतर-मंतर पर आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक मंच से प्रधानमंत्री के लिए बेहद आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था वीडियो- शिकायतकर्ता अधिवक्ता का कहना है कि इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। साथ ही, इससे समाज में वैमनस्य फैलने और लोक शांति भंग होने की प्रबल आशंका उत्पन्न हुई। बताया गया है कि प्रदर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था, जिसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपी की जानकारी जुटाई और नोएडा पुलिस से संपर्क कर मामला दर्ज कराया। जांच के लिए दिल्ली भेजी गई स्त्रढ्ढक्र- आरोपी युवती मूल रूप से फरीदाबाद की रहने वाली है और एक ब्यूटी पार्लर संचालिका है। उसने नोएडा की सोसायटी में एक फ्लैट खरीदा है। एक्सप्रेसवे थाना पुलिस जब मामले की जांच के लिए उसके फ्लैट पर पहुंची, तो वहां ताला लटका मिला। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत जीरो एफआईआर दर्ज की है।पुलिस का बयान- मामले की पुष्टि करते हुए एडीसीपी नोएडा, मनीषा सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने पर नियमानुसार जीरो एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

चूंकि कथित अपराध स्थल दिल्ली का जंतर-मंतर है, इसलिए मामले से जुड़े सभी अभिलेख और एफआईआर आगे की विवेचना और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए दिल्ली पुलिस को भेज दिए गए हैं। अब इस मामले की आगे की जांच दिल्ली पुलिस करेगी।

संसद के बाहर विपक्ष का प्रदर्शनः पप्पू यादव ने साधु बनकर बटोरा चंदा, राहुल ने चढ़ावा चढ़ाया

संसद परिसर में विपक्ष ने आज राम मंदिर चढ़ावे में कथित हेराफेरी और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। साधु के भेष में सांसद पप्पू यादव ने चढ़ावा बटोरते नजर आए, जबकि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई विपक्षी नेताओं ने उन्हें चढ़ावा चढ़ाया। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने साधु के कपड़े पहनकर शुक्रवार को संसद परिसर में अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी को दिखाने वाला प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके साथ विपक्ष के कई अन्य सांसद भी मौजूद थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। यह प्रदर्शन अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित चोरी और 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में किया गया।विपक्ष ने अमित शाह के इस्तीफे की मांग की इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने सदन की कार्यवाही में अमित शाह की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाए। सांसदों ने संसद के मकर द्वार के सामने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने नारे लगाए- अमित शाह इस्तीफा दो, अमित शाह सदन में आओ और चढ़ावा चोर, गद्दी छोड़।कैसे किया गया प्रदर्शन?- सांसदों ने संसद के मकर द्वार की सीढ़ियों के सामने दान पेटियां रखीं। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव साधु के भेष में इन पेटियों के साथ बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान एक नाटक के जरिये संदेश देने की कोशिश की गई। इसमें राहुल गांधी समेत अन्य सांसदों ने पेटियों में पैसे डाले। वहीं, पप्पू यादव ने पैसे अपनी जेब में रखे और इसे राम मंदिर चढ़ावे में कथित चोरी के आरोपों के प्रतीक के तौर पर दिखाया।इस प्रदर्शन में प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद और धर्मेंद्र यादव, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी समेत कई अन्य नेता शामिल हुए। सभी सांसद एक बड़े बैनर के पीछे खड़े थे, जिस पर लिखा था- अमित शाह सदन से गायब क्यों? विपक्ष किन मुद्दों पर सरकार को घेरना चाहता है?- इंडिया ब्लॉक ने कहा है कि वह सरकार को कथित चढ़ावा चोरी के आरोपों और नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कठोर कार्रवाई के मुद्दे पर घेरता रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने भी उठाए थे सवाल- इससे पहले, बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जवाबदेही की मांग का समर्थन किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि छात्रों पर हुए घातक हमले के लिए भाजपा जिम्मेदार है। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे युवाओं और छात्रों पर पैलेट गन चलाई गई। या तो यह गृह मंत्री अमित शाह की मंजूरी से हुआ या फिर उनकी जानकारी और निर्देश पर हुआ। दोनों ही स्थितियां गृह मंत्री या प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी पर सवाल उठाती हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने युवाओं पर घातक हमला किया है और यही सच्चाई है।राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि अमित शाह या तो इस मामले के लिए जिम्मेदार हैं या फिर इस पद के लिए सक्षम नहीं हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में इस मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की थी।

आप बीजेपी के हो क्या?: पुलिसवालों के परिजनों की प्रेस कॉन्फ्रेंस के सवाल पर बोले राहुल

छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस की कथित कार्रवाई को लेकर सियासी घमासान बढ़ गया है। घायल पुलिसकर्मियों के परिवारों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना पर न्याय की मांग की। वहीं, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इन परिवारों से पूछा कि क्या वे भाजपा से हैं।कांग्रेस नेता राहुल गांधी से शुक्रवार को दिल्ली पुलिस के घायल जवानों के परिजनों की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर राहुल गांधी ने जवाब दिया- आप बीजेपी के हो क्या? पुलिसकर्मियों के परिजनों ने क्या कहा?- 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान घायल हुए दिल्ली पुलिस के अधिकारियों और जवानों के परिजनों ने शुक्रवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें एक सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), एक उप-निरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मियों के परिवार शामिल हुए। उन्होंने उस दिन की घटना बताई और न्याय की मांग की।घायल एसीपी की पत्नी ने कहा कि 20 जुलाई की रात जब उनके पति घायल हालत में घर लौटे, तो वह पल उनके और उनकी दो साल की बेटी के लिए बेहद दर्दनाक था। उन्होंने कहा कि वह दूसरे पुलिसकर्मियों के परिवारों के साथ अपना दर्द लोगों के सामने रखना चाहती हैं।दिल्ली पुलिस के घायल एक घायल उप-निरीक्षक की बेटी ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने उनके पिता पर हमला किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता भारतीय नौसेना के पूर्व मरीन कमांडो रहे हैं। जंतर-मंतर के मंच के पास भीड़ ने उन्हें खींच लिया और पीट-पीटकर मार डालने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि बाद में उनके पिता को आरएमएल अस्पताल ले जाया गया, जहां वह करीब चार घंटे तक बेहोश रहे। दूसरे परिवार ने क्या आरोप लगाया?- एक अन्य घायल पुलिसकर्मी के परिजन ने कहा कि यह छात्रों का प्रदर्शन नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया

अखिलेश यादव के सीएम बनने की कामनाः 201 लीटर गंगाजल की कांवड़ लेकर आ रहे बॉबी, राजनीति और आस्था का संगम

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने की मनोकामना को लेकर हरिद्वार से 201 लीटर गंगाजल की कांवड़ लेकर चल रहे रेसलिंग खिलाड़ी बॉबी यादव अपनी टीम के साथ शुक्रवार को मुरादनगर पहुंचे।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने की मनोकामना को लेकर हरिद्वार से 201 लीटर गंगाजल की कांवड़ लेकर चल रहे रेसलिंग खिलाड़ी बॉबी यादव अपनी टीम के साथ शुक्रवार को मुरादनगर पहुंचे। कांवड़ियों ने मुरादनगर थाने में पड़ाव डाला, जहां उनका स्वागत किया गया।नोएडा के सर्फाबाद निवासी बॉबी यादव ने बताया कि उन्होंने एक जुलाई को अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर हरिद्वार से गंगाजल उठाया था। एक विशेष संकल्प के तहत वह इस 201 लीटर गंगाजल को लेकर पैदल यात्रा कर रहे हैं। बॉबी यादव ने बताया कि इस आस्था और संकल्प से भरी यात्रा में उनके साथ रिंकू, मोनू, हर्ष, राज और लविश सहित अन्य साथी भी शामिल हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान यह दल विभिन्न स्थानों पर रुकते हुए अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों और समर्थकों द्वारा उनका जगह-जगह स्वागत और सत्कार किया जा रहा है।रेसलिंग खिलाड़ी बॉबी यादव ने इस कांवड़ यात्रा को अपनी आस्था और संकल्प का प्रतीक बताया। उनका मानना है कि इस पवित्र यात्रा के माध्यम से उनकी मनोकामना पूर्ण होगी।

संपादकीय Editorial

The Legal Bricks of the CU Campus

The issue escalated, but it never materialized. Ultimately, the Honorable High Court is counting the bricks of the CU campus's Jadrangal campus. Meanwhile, Vice Chancellor Prof. Sat Prakash Bansal, who has been granted an extension at the Dehra campus, is confident that the university will be inaugurated there. Indeed, the pace of the Dehra campus is making the Central University a symbol of an unbroken empire, but Jadrangal has already prepared the legal foundation for its construction. Friday's directives are strict, sharp, and construction-focused, thus tightening the legal reins on the sluggishness of formalities. The story of Dharamshala's North Campus isn't the first time it's been brought to court, but even during the Dhumal-Jairam governments, the campaign wasn't initiated honestly. This is the first instance where politics itself has become a party and misled. Former minister Ravindra Singh Ravi's statements continued to hurt Dharamshala by claiming that the site was unsuitable for any construction. Only Dharamshala's geographical location remained under the strict scrutiny of the seismic zone and the Forest Conservation Act. As a result, all the laboratories and regulations continued to shatter Jadrangal's dreams. Now, with the Jadrangal campus facing the final blow, it is showing its wounds in the High Court. The Honorable Court has taken strong cognizance of the delay in depositing 30 crore rupees under the Forest Conservation Act.

Patience and the campus's fate are at stake in the face of the law. With the dynamism, priority, and advocacy with which the ruling establishment completed construction on half of the Dehra campus, the Jadrangal campus appears abandoned, helpless, and destitute. Now, this same situation is revealing its shackles under the purview of the law, thus serving as a harsh lesson for the Education Secretary. Had the 30 crore rupees been collected by 2023, this campus too would have flourished with the funds available from the Center. Surprisingly, politics played havoc with the so-called winter capital. Dharamshala had excellent medical and educational institutions long before independence, but modern Himachal Pradesh did not allow a medical college or university to be established here. Despite being the sole center of study for Shimla University and having the largest number of academies in various disciplines, it lost the race for a Central University. The state's only college, which has completed a hundred years and continues to highlight the city's educational history, is being stripped of its university status. It is hoped that the High Court, given the gravity of this issue, will deliver a final verdict that will prevent politicization from overstepping its bounds in the education sector. The Honorable Court has now given the government time to take concrete action on this issue and has asked for clarification by September 7th, otherwise the Education Secretary will have to appear in court and explain the government's motives and compulsions. Although the Central University campus in Dharamshala has been a top choice for students and faculty, the politics that has been at its helm has its own biases, which have been frequently demonstrated and proven. Buildings do not constitute an institution, so for the sake of the Central University's reputation, the Dharamshala campus needs to be freed from the clutches of politics. Overall, now the ball is in the government's court and a guiding and historic decision is awaited in this regard.

Initiatives to Bring Equality in Society

The true success of a democratic system lies in its ability to ensure equal justice for every citizen while respecting diversity. Madhya Pradesh approved the Uniform Civil Code Bill. This bill will empower the rights of women and children. A Uniform Civil Code is the foundation of national unity and justice. Recently, the Madhya Pradesh Legislative Assembly approved the Uniform Civil Code (UCC) Bill. With this, Madhya Pradesh joins the ranks of Uttarakhand, Gujarat, and Assam, which have taken concrete initiatives towards a Uniform Civil Code. These initiatives have given new impetus to the national debate on the Uniform Civil Code. Similarly, Bengal has also signaled its initiative on this issue by forming a high-level committee to draft a Uniform Civil Code. On the other hand, the Allahabad High Court, in the case of "R and others vs. State of Uttar Pradesh and others," clarified that no personal law can be an exception to the Prohibition of Child Marriage Act, 2006, and the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012 (POCSO Act). These developments point to the fact that the question of a Uniform Civil Code is no longer merely a matter of ideological debate, but has become a subject of serious consideration at all three levels: legislative, political, and judicial. This has re-established this question, related to personal laws, constitutional equality, and civil rights, at the center of national discourse. It is noteworthy that in 1995, in the case of Sarla Mudgal vs. Union of India, the Supreme Court stated, "India is a secular democratic republic and religious freedom is its fundamental cultural characteristic. However, religious practices that violate human rights and human dignity constitute oppression rather than freedom. Therefore, a Uniform Civil Code is essential for the protection of oppressed classes and for strengthening national unity and integrity." Nearly three decades after this observation by the Supreme Court, the Uniform Civil Code has not been implemented uniformly across the country. The debate over the Uniform Civil Code is not new. During the Constituent Assembly debates, Alladi Krishnaswamy Iyer pointed out that during the British Raj, many civil laws, including criminal law, contract law, and property transfer, were equally applicable to all citizens. According to him, if legal uniformity can be accepted in broader civil life, then it should not be considered unnatural to consider a uniform legal system for marriage, inheritance, and family laws. From the Constituent Assembly debates to the present, fears have been expressed from time to time that a Uniform Civil Code could affect social harmony. In public debates on the Uniform Civil Code, its original purpose was often overlooked, and religious controversies became the focus of discussion. As a result, fundamental issues such as equal rights for women, child rights, and equal civil protection received relatively little discussion. In any democratic society, incomplete truth often proves more dangerous than falsehood, as it overshadows the real issues. This is also evident in the context of the Uniform Civil Code. No religion in the world opposes the dignity of women in its original philosophical form. However, social, cultural, and legal interpretations often create situations that impact the rights of women and children. The problem lies more in the social structures and practices that are accepted in the name of tradition than in the fundamental teachings of any particular religion. Therefore, the question of equality is not a question of any one community, but of every democratic society.

A look back at the pages of history makes it clear that equal civil order is not synonymous with opposition to any particular religion. Turkey is a significant example of this. This country, with a population of approximately 99 percent Muslims, adopted the Civil Code on February 17, 1926, which came into effect on October 4, 1926. Its purpose was not to oppose any religious tradition, but to build a modern nation and establish equal civil rights. Turkey's experience demonstrates that periodic refinement of the legal system is essential in democratic societies. Systems that fail to adapt to the changing needs of society and the ideals of equality face difficulties in ensuring equal justice for all their citizens. In the Indian context, the focus of the discussion on a Uniform Civil Code should not be on the identity of any sect or community, but on the preservation of the values ??of equality, dignity, and justice guaranteed by the Constitution. Any legal reform should be evaluated based on the extent to which it strengthens the equal rights and dignity of citizens, especially women and children. The true success of a democratic system lies in its ability to ensure equal justice for every citizen while respecting diversity.

Democracy, Protest, and Public Life

What began as a complaint about a paper leak gradually blossomed into a major movement. Various groups, including activists, artists, farmers' organizations, and opposition parties, joined the movement, driven by personal concerns and political interests. Student protests exposed flaws in the education system. Paper leaks and job shortages became major concerns. Institutional reforms and balanced democratic dialogue are needed. The turbulent atmosphere surrounding the student protests has finally calmed down. Only time will tell whether this marks the end of the movement or merely a temporary pause. In a diverse and deeply divided nation and society like ours, there will never be a shortage of divisive issues. Balancing these differences and moving forward in the public interest is always a major challenge. Now that this somewhat heated movement has ended, it is pertinent to consider both aspects: citizens' reactions to it and the role of the government. What began as a complaint about a paper leak gradually blossomed into a major movement. Various groups, including activists, artists, farmers' organizations, and opposition parties, joined the movement, driven by personal concerns and political interests. Internet media also played a role in mobilizing public sentiment. Such widespread public anger cannot be fueled solely by misguided forces. Political opportunists can fan such flames, but their spark lies in systemic anomalies that have long been ignored. It's worth noting that the demand for reforms in school education has been ongoing for a long time. Student and teacher absenteeism, untrained teachers, and outdated teaching methods are plaguing government schools and low-cost private institutions. Except for a select few reputable schools, most institutions are struggling to provide even basic education. Lack of adequate preparation for competitive exams has led students to rely on private coaching centers, where quality preparation largely depends on financial status. Even after the "Right to Education" was granted, access to "proper and quality education" remains an unfulfilled goal. A serious challenge in higher education is the severe shortage of seats. Limited seats leave millions of students vulnerable to unhealthy competition and stress. Whether it's NEET, JEE, CUET, or even the 12th board exams, where performance on a particular day determines a young person's future, many countries have more elaborate systems in place for admission to prestigious institutions, which evaluate candidates holistically based on school performance, standardized tests, essays, interviews, and extracurricular activities. The essence of this must be internalized: life isn't a T20 game, but a test, where every student deserves a second chance. Conducting exams in multiple stages throughout the year, rather than relying on a single exam, can reduce stress. While stringent measures are necessary to prevent paper leaks, the severity of the problems associated with them will naturally diminish once a single exam no longer dictates fate. Employment is not only a source of income, but also the foundation of self-respect, life purpose, and personal development. Despite this, job expansion has not been sufficiently rapid compared to the working population. India's demographic dividend can only be realized through sustained industrialization and manufacturing-based growth, which can generate large-scale employment. No matter how noble an ideology may be, it should not be allowed to disrupt normal life. The right to protest is fundamental, but the right to law and order and peaceful civil life is equally important. Democratic societies must adopt methods of expressing dissent that do not create disruptions, while the government and administration must also handle the situation with restraint and non-violent measures. While violence is absolutely condemnable, suppression of protests by excessive force by the state is equally unjustified. Fasts unto death, road blockades, and inflammatory rhetoric also escalate conflict and derail rational democratic dialogue. Zen-ji expressions were also an important aspect of this movement. Humor and satire have always played a role in public life, and the new generation has embraced it, presenting their serious political messages with a touch of satire. This symbolizes a shift in traditional norms regarding communication etiquette. In this context, the traditional perspective of Gen X may be somewhat uncomfortable with this nonchalant approach to change, but its effectiveness must be appreciated. It is said that "be skeptical, not negative." Communication conducted with sarcasm and humor, without crossing the boundaries of language, can potentially convey a more effective message. In a civilized society, there is no place for indecency and rudeness. Gen X must understand the difference between expression and disrespect. The administration finally responded, albeit under pressure. Fast-track courts were established, promises of stricter laws, and the much-publicized resignation of the Education Minister. The symbolic significance of such a resignation is understandable. But mere symbolism is not enough. The focus must shift to institutional reform. This movement poses a crucial question not only for Zen-ji, but for all generations. Is this an occasion.

अदीला या शहनुमा, हरिद्वार के मंगलौर में मिला शव किसका? पोस्टमार्टम रिपोर्ट खारिज कर रही दोनों के दावे

मंगलौर में मिले युवती के शव का रहस्य गहराया। पुलिस ने अदीला और शहनुमा की हत्या के तरीके बताए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने उन दावों को खारिज किया। मौत का कारण अस्पष्ट है, पुलिस गुलफाम से दोबारा पूछताछ करेगी।हरिद्वार के मंगलौर थाना क्षेत्र में मिला शव मुरादाबाद की अदीला का था या फिर हरिद्वार की शहनुमा का। इसका रहस्य और गहरा गया है। पुलिस का दावा है कि अदीला की हत्या गोली मारकर की गई थी, जबकि शहनुमा को उसके प्रेमी ने गला दबाकर मौत के घाट उतारा था। लेकिन जिस युवती का शव मिला है उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट दोनों के दावों को खारिज कर रही है। अब पुलिस गुलफाम और उसके भाई कुरबान अली से दोबारा पूछताछ कर सकती है। कटघर थाना क्षेत्र के कोहिनूर तिराहा निवासी एवं कारोबारी अदिवउर रहमान की बेटी अदीला को 29 जून की रात कटघर के देवापुर निवासी गुलफाम अली ने दिल्ली से लौटते समय जोया के पास अपनी थार में बैठा लिया था। इसके बाद गोली मारकर उसकी हत्या करने के बाद लाश गंगनहर में फेंक कर एक जुलाई को रामपुर में जानलेवा हमले के मामले में कोर्ट में सरेंडर कर जेल चला गया था। 27 जून को पुलिस ने कोर्ट से अनुमति मिलने पर 24 घंटे की रिमांड पर लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने रुड़की के पास गंगनहर में अदीला की लाश फेंकी थी। पुलिस आरोपी को लेकर रुड़की पहुंची तो पता चला कि चार जुलाई को हरिद्वार के मंगलौर क्षेत्र में एक युवती की लाश मिली थी। जिसका हिंदू रीति रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार कर दिया गया है। युवती के कपड़े और फोटो के जरिये मृतका की पहचान अदीला के रूप में की गई। जबकि हरिद्वार जिले के बादराबाद क्षेत्र निवासी शहनुमा की हत्या उसके प्रेमी नावेद ने 28 जून को कर दी थी। पुलिस ने नावेद को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने शहनुमा की हत्या गला दबाकर की थी और लाश गंगनहर में फेंकी थी। हरिद्वार जिले के बादराबाद थाने की पुलिस भी कपड़े और फोटो के आधार पर खुलासा कर चुकी है लेकिन यहां बड़ा सवाल है कि शहनुमा की हत्या गला दबाकर की गई थी जबकि अदीला की हत्या गोली मारकर की गई थी लेकिन जिस युवती का शव मिला है। उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में न तो गला दबाने की बात कही गई है और न ही गोली मारकर हत्या का तथ्य सामने आए हैं।उस युवती की मौत का तो कारण भी स्पष्ट नहीं हुआ है जिस कारण विसरा सुरक्षित रखा गया है। एसपी सिटी कुमार रण विजयसिंह ने बताया कि अदीला हत्याकांड की जांच अभी जारी है। जरूरत पड़ने पर कोर्ट से अनुमति लेकर जेल में बंद गुलफाम से भी दोबारा पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा डीएनए परीक्षण कराने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में भीषण सड़क हादसा : ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ईको कार को मारी टक्कर, हरियाणा से लौट रहे बरेली के दो मजदूरों की मौत

मुरादाबाद के दलपतपुर में बड़ा हादसा, बरेली के दो मजदूरों की मौत मुरादाबाद में हुए एक भीषण सड़क हादसे में बरेली के दो ग्रामीणों की जान चली गई।

लकड़ी लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से ईको कार के परखच्चे उड़ गए। दोनों हरियाणा से धान की रोपाई कर लौट रहे थे।मुरादाबाद जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे में बरेली के रहने वाले दो व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा दलपतपुर पुलिस चौकी के पास हुआ, जहां लकड़ी से लदी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी।

मृतक हरियाणा में मजदूरी कर अपने गांव लौट रहे थे। इस दुखद घटना के बाद मृतकों के गांव में मातम पसरा हुआ है। धान की रोपाई कर घर लौट रहे थे दोनों- जानकारी के अनुसार, मृतक बरेली जिले के विकासखंड भदपुरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिहारीपुर पीतम राम के निवासी थे। मृतकों की पहचान सुमेरमल (35 वर्ष) पुत्र मोहनलाल और साधु राम (45 वर्ष) पुत्र रामेश्वर दयाल के रूप में हुई है।

दोनों ग्रामीण हरियाणा में धान की रोपाई का काम करने गए थे। काम खत्म होने के बाद वे ईको गाड़ी में सवार होकर वापस अपने गांव बिहारीपुर पीतम राम लौट रहे थे। एक ने मौके पर, दूसरे ने रास्ते में तोड़ा दम- मुरादाबाद में दलपतपुर पुलिस चौकी के पास उनकी ईको गाड़ी पहुंची ही थी कि तभी लकड़ी से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में 35 वर्षीय सुमेरमल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

वहीं, गंभीर रूप से घायल 45 वर्षीय साधु राम को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था,

लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर भारी अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और शवों को कब्जे में लिया।

गांव में पसरा मातम, पोस्टमार्टम के बाद सौंपे जाएंगे शव- हादसे की सूचना जैसे ही बरेली के ग्राम बिहारीपुर पीतम राम पहुंची, परिजनों में कोहराम मच गया। ग्राम प्रधान पति जयवीर वर्मा ने बताया कि पुलिस द्वारा दोनों शवों का पोस्टमार्टम मुरादाबाद में कराया जा रहा है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन से पीड़ित परिवारों को हर संभव आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

सपा सांसद और विधायक कांग्रेसियों की सुनते हैं या नहीं, पार्टी जुटा रही फीडबैक

कांग्रेस ने अपने नेताओं से पूछा है कि क्या सपा के सांसद और विधायक उनकी बात सुनते हैं। पार्टी का स्थानीय तालमेल कैसा है। अगर दोनों दल साथ आते हैं तो क्या असर पड़ेगा। साथ ही आने वाले चुनाव में उनके जनपद या सीट पर क्या स्थिति रहेगी।कांग्रेस हाईकमान द्वारा अपने जिलाध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष के साथ सक्रिय पदाधिकारियों से पांच बिंदुओं पर फीडबैक इलेक्शन में यह फीडबैक दोनों के गठबंधन का आधार बनेगा। मांगा जा रहा है। माना जा रहा है कि 2027 के विधानसभा विधायक उनकी बात सुनते हैं। पार्टी का स्थानीय तालमेल कांग्रेस ने अपने नेताओं से पूछा है कि क्या सपा के सांसद और साथ ही आने वाले चुनाव में उनके जनपद या सीट पर क्या कैसा है। अगर दोनों दल साथ आते हैं तो क्या असर पड़ेगा। को पत्र भेजकर रिपोर्ट मांगी है। दूसरे दलों की तरह कांग्रेस स्थिति रहेगी। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने जिलाध्यक्षों पार्टी ने राजेंद्र पाल गौतम को नया प्रदेश प्रभारी बनाया है। भी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इसके मद्देनजर और महानगर अध्यक्षों के साथ बैठक की थी। उन्होंने सभी से पिछले दिनों में नवागत प्रदेश प्रभारी ने लखनऊ में सभी जिला गठबंधन से पहले कांग्रेस जिला स्तर पर सपा सांसदों और विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया था। इसके लिए प्रदेश प्रभारी ने जिलाध्यक्षों से पांच बिंदुओं पर विधायकों से स्थानीय नेताओं के तालमेल की समीक्षा करेंगी। सके। प्रदेश प्रभारी ने इसमें सपा सांसद और विधायक के कांग्रेसी नेताओं के रिश्ते कैसे हैं, कांग्रेस पदाधिकारियों की मांग पर उनके क्षेत्र में किसी सड़क या खड़ंजे का निर्माण कराया गया कि नहीं, कोई समस्या बताने या शिकायत करने पर सपा जनप्रतिनिधियों ने इसका निस्तारण कराया की नहीं समेत कई बिंदुओं पर फीडबैक मांगा है। प्रदेश प्रभारी ने बूथ स्तर पर मजबूत विधानसभा सीटों की भी जानकारी मांगी है। प्रदेश प्रभारी की ओर से सपा सांसदों और विधायकों के साथ कांग्रेस नेताओं के तालमेल से जुड़ी जानकारी मांगी गई है। साथ ही अच्छा काम करने वाले कांग्रेस नेताओं के नाम भी मांगे गए हैं। इसकी रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी को भेज दी गई है। - विनोद गुंबर, जिलाध्यक्ष कांग्रेस- बेहतर कार्य करने वाले कांग्रेसियों के मांगे गए नाम- मुरादाबाद। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों से बेहतर कार्य करने वाले पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के नाम मांगे हैं। हर विधानसभा क्षेत्र से तीन-तीन चार-चार नाम प्रदेश प्रभारी को भेजा जाना है। प्रत्याशियों के चयन में शामिल होंगे जिलाध्यक्ष- मुरादाबाद। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस बार विधानसभा चुनाव के लिए जिले के प्रत्याशियों के चयन में जिलाध्यक्षों को भी शामिल किया जाएगा। सीडब्ल्यूसी के साथ जिलाध्यक्ष भी बैठेंगे।

दिल्ली और लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन बंद, तीन अगस्त तक लागू रहेगा डायवर्जन

कांवड़ यात्रा के चलते दिल्ली हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। मुरादाबाद से दिल्ली, मेरठ और गाजियाबाद जाने वाले भारी वाहनों को संभल, बबराला और बुलंदशहर के रास्ते भेजा जा रहा है। व्यवस्था सोमवार तक लागू रहेगी।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर बृहस्पतिवार की देर रात दिल्ली हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर दिया गया है। मुरादाबाद से दिल्ली, मेरठ और गाजियाबाद जाने वाले वाहनों को अब संभल, बबराला, बुलंदशहर से गुजारा जा रहा है। रूट डायवर्जन की यह व्यवस्था सोमवार तक रहेगी। पुलिस अधीक्षक यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि सावन के पहले सोमवार को लेकर रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। सोमवार तक रूट डायवर्जन रहेगा। इस दौरान भारी वाहनों को बदले मार्ग से गुजारा जा रहा है। कांवड़ियों की संख्या बढ़ने पर हल्के वाहनों को संचालन पर रोक लगाने का निर्णय लिया जाएगा। कांठ रोड, दिल्ली हाईवे पर जगह-जगह यातायात पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। कांठ रोड पर पहले ही डायवर्जन लागू किया जा चुका है।

शाहजहांपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन शाहजहांपुर से बदायूं, बबराला, नरौरा और बुलंदशहर के रास्ते भेजे जा रहे हैं और इसी रास्ते से वापस आ रहे हैं। मुरादाबाद से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन संभल, बबराला, नरौरा, बुलंदशहर और हापुड़ होकर दिल्ली भेजे जा रहे हैं इसी रास्ते से वापस आ रहे हैं। बरेली और रामपुर से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन बिलारी, सिरसी, संभल, चौधरी सराय और गंगा एक्सप्रेस-वे के रास्ते निकाले जा रहे हैं। मुरादाबाद से मेरठ और दिल्ली जाने वाले वाहन गांगन तिराहा, मनोटा, सिरसी, संभल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर और हापुड़ होकर भेजे जा रहे हैं। दिल्ली-गाजियाबाद से रामपुर, बरेली और लखनऊ जाने वाले भारी वाहन हापुड़, सिंभावली, डिबाई, नरौरा और बदायूं के रास्ते भेजे जा रहे हैं। बिजनौर और हरिद्वार की ओर जाने वाले भारी वाहन काशीपुर तिराहा, ठाकुरद्वारा, जसपुर, अफजलगढ़ और धामपुर होकर जा रहे हैं और इसी मार्ग से वापस आ रहे हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। पुलिस के अलावा एटीएस भी कांवड़ यात्रा मार्गों की विशेष निगरानी कर रही है। कांठ रोड और दिल्ली रोड जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर एटीएस की टीमें सक्रिय हैं। इन रास्तों से बड़ी संख्या में कांवड़िये गुजरते हैं।एटीएस की यह निगरानी खुफिया जानकारी जुटाने पर केंद्रित है। साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क हैं। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

हजयात्रा 2027: हज के पाक सफर में यूपी का हर नौवां यात्री होगा मुरादाबादी, प्रदेश के सभी 22623 आजमीनों का चयन

हज यात्रा 2027 के लिए यूपी से आवेदन करने वाले सभी 22,623 आजमीनों का चयन हो गया है। इनमें सबसे अधिक 2,493 आजमीन मुरादाबाद के हैं, यानी यूपी का हर नौवां हजयात्री मुरादाबाद से होगा। 2026 के मुकाबले इस बार जिले से 403 अधिक लोग हज पर जाएंगे। हजयात्रा 2027 के लिए यूपी से आवेदन करने वाले सभी आजमीन का हज का टिकट पक्का हो गया है। आवेदन करने वाले सभी 22623 आजमीनों का चयन हजयात्रा 2027 के लिए हो गया है। इसमें सबसे अधिक 2493 आजमीन मुरादाबाद के हैं। 2027 में यूपी का हर नौवां हजयात्री मुरादाबादी होगा। इस बार हज कमेटी इंडिया ने हजयात्रा 2026 के खत्म होने से पहले ही 2027 का कार्यक्रम जारी कर दिया था। तय कार्यक्रम के मुताबिक हजयात्रा 2027 के लिए 22 जून से 20 जुलाई तक आवेदन लिए गए। बाद में आवेदन की तारीख चार दिन और बढ़ा दी गई थी। आवेदन की प्रक्रिया 24 जुलाई तक चली।यूपी से कुल 22623 आजमीनों ने आवेदन किया। ये आवेदन यूपी के कोटे से कम बताए गए। ऐसे में आवेदन करने वाले सभी आजमीनों का 2027 में हजयात्रा पर जाना तय हो गया था। बृहस्पतिवार को हजयात्रा 2027 के लिए लॉटरी की प्रक्रिया की औपचारिकता पूरी की गई। आवेदन करने वाले यूपी के सभी 22623 आजमीनों का चयन हजयात्रा के लिए कर लिया गया है। इसमें मुरादाबाद के आजमीनों की संख्या 2493 है। इस हिसाब से यूपी का हर नौवां हजयात्री मुरादाबाद का होगा। जबकि 2026 में जिले से 2090 आजमीन हजयात्रा पर गए थे। 2026 की तुलना में 2027 में जिले से 403 ज्यादा आजमीन हजयात्रा पर जाएंगे। आजमीनों को हजयात्रा की पहली किस्त 1,52,300 रुपये दस अगस्त तक जमा करनी होगी। 2027 में यूपी से 22623 आजमीन हजयात्रा पर जाएंगे। मुरादाबाद के हजयात्रियों की संख्या 2493 होगी। जो प्रदेश में सबसे अधिक संख्या है। - हाजी मुख्तार असलम, पूर्व हज ट्रेनरदो साल में प्रदेश में बढ़ गए 7166 हजयात्री- मुरादाबाद। दो साल में प्रदेश और जिले में हजयात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। दो साल में प्रदेश में 7166 हजयात्री बढ़ गए। 2025 में यूपी से करीब 15457 हजयात्री थी। इसमें मुरादाबाद के हजयात्रियों की संख्या 1758 थी। ऐसे ही 2026 में सूबे से 18760 आजमीनों ने हजयात्रा की थी। इसमें मुरादाबाद के 2090 हजयात्री शामिल थे। 2027 के लिए यूपी के हजयात्रियों की संख्या में 7166 की वृद्धि हुई है। मुरादाबाद में यह वृद्धि 735 है।2026 की यात्रा खत्म होने के 31 दिन बाद 2027 के लिए नाम तय- मुरादाबाद। हजयात्रा 2026 की शुरुआत इस साल 18 अप्रैल को हुई थी। हज के अरकान पूरे करने के बाद दो जून से हजयात्रियों की वतन वापसी शुरू हो गई थी। यह सिलसिला 28 जून तक चला। हजयात्रा 2026 के खत्म होने के 31 दिन बाद 30 जुलाई को 2027 के लिए हजयात्रियों के नाम तय हो गए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

उर्स-ए-आला हज़रत की तैयारियों का जिलाधिकारी व एसएसपी ने किया स्थलीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। देश भर में प्रख्यात उर्स-ए-आला हज़रत के शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ इस्लामिया इंटर कॉलेज तथा जामियातुर रज़ा, मथुरापुर का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आवागमन व्यवस्था, पार्किंग, सुरक्षा प्रबंध, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी, पेयजल, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सुविधाएं, अग्निशमन व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर ली जाएं, ताकि देश-विदेश से आने वाले लाखों जायरीन एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।जिलाधिकारी ने कहा कि उर्स के दौरान विभिन्न विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और प्रत्येक व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। वहीं एसएसपी अनुराग आर्य ने पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने, यातायात संचालन को सुचारु बनाए रखने तथा भीड़ प्रबंधन के लिए प्रभावी कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार संबंधी निर्देश भी दिए। प्रशासन का उद्देश्य है कि उर्स-ए-आला हज़रत में आने वाले सभी जायरीन को सुरक्षित, सुगम और बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएं।

इस अवसर पर एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खान, एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव वर्मा, सीओ एलआईयू विजय राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं दरगाह से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रचनात्मक लेखन मंच ने पौधा रोपण एवम् शरबत वितरण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। रचनात्मक लेखन मंच न्यास वाराणसी उपशाखा बरेली द्वारा प्रेमचंद जयंती के अवसर पौधा रोपण, शरबत वितरण किया।

स्टबस मेटरनिटी हॉस्पिटल बरेली में प्रेमचंद की कहानियों पर संगोष्ठी वृक्षारोपण एवम् शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर शांता जी ने की ,संगोष्ठी में प्रेमचंद के साहित्य पर सभी ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए उन्हें मानवीय संवेदना को स्पर्श करने वाले लेखक के रूप में याद किया जिनके लेखन की भाषा भी सरल एवं हृदय स्पर्शी है।

उन्हीं की कहानियों के उदाहरण देते हुए वर्तमान परिदृश्य में साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रेमचंद को नमन किया। इस अवसर पर डॉ वर्षा अग्रवाल, श्री खंडेलवाल जी, डॉ स्मृति, अवनीश सिंह (चिकित्सक स्टाफ) ने एक पेड़ मां के नाम पर बहुत ही सुंदर पोस्टर निर्मित कर लोगों को संदेश दिया । रचनात्मक लेखन मंच न्यास की तरफ से गीता श्रीवास्तव ने मंगलाचरण गीत की प्रस्तुति के साथ वृक्षों के बारे में जानकारी दी। गरिमा भारद्वाज (कार्यक्रम संयोजिका) ने स्वागत संबोधन के साथ कार्यक्रम का संचालन किया । अनुपम सिंह ने उपस्थित लोगों के मध्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें बरेली कॉलेज की(बी कॉम)की छात्रा दीया चंद को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । आभार डॉ विनीता सिंह (सचिव) द्वारा दिया गया ।इस अवसर पर कंचन रावत और प्रीति की विशेष उपस्थिति बनी रही।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ट्रांसफार्मर ठीक करते समय करंट की चपेट में आया संविदाकर्मी, हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । बिजली विभाग के एक संविदा कर्मी की ड्यूटी के दौरान करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई।

समय हुआ ट्रांसफार्मर की रहे थे। घटना परिजनों में गया, जबकि कारणों को सवाल खड़े हादसा उस जब वह मरम्मत कर के बाद कोहराम मच करंट आने के लेकर कई हो गए हैं। फतेहगंज पूर्वी विद्युत उपकेंद्र पर तैनात संविदा कर्मी एवं गांव निवड़िया निवासी 40 वर्षीय पंकज मिश्रा शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे गांव में मोबाइल टावर के पास लगे ट्रांसफार्मर को ठीक कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हाईटेंशन लाइन में करंट प्रवाहित हो गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन उन्हें तुरंत फरीदपुर सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि वंडिया फीडर पर एक ट्रॉली नलकूप कई महीनों से खराब होने के कारण रात में ग्रामीण क्षेत्रों को विद्युत आपूर्ति दी जाती थी। सुबह आठ बजे ग्रामीण सप्लाई बंद कर दी गई थी और उसी दौरान लाइन पर कार्य चल रहा था। ऐसे में करंट कैसे पहुंचा, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। परिजनों का आरोप है कि आगे किसी स्थान पर नलकूप लाइन में कटिया डालकर अवैध रूप से कनेक्शन जोड़ दिया गया था, जिससे लाइन में करंट प्रवाहित हो गया। बताया गया कि पंकज को पहले भी करंट लग चुका था और शारीरिक रूप से कमजोर होने के कारण अधिकारियों ने उनकी ड्यूटी उपकेंद्र में लगा दी थी।

मृतक अपने पीछे पत्नी सीमा और दो बेटों को छोड़ गए हैं। हादसे के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

डूबने से हुई दो मौतों पर पीड़ित परिवारों को मिली सहायता : धर्मपाल सिंह ने सौंपे रू4 -4 लाख के चेक

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । दैवीय आपदा से प्रभावित दो परिवारों को सरकार की ओर से राहत राशि प्रदान की गई। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने तहसील आंवला में दोनों प्रभावित परिवारों को 4-4 लाख रुपये के प्रतीकात्मक चेक सौंपे। पहली घटना आंवला नगर पालिका के मोहल्ला खेड़ा की है, जहां लगातार हुई बारिश के दौरान छह वर्षीय दिव्यांग बालक प्रीत नाले में फिसलकर डूब गया था। जिला प्रशासन, पुलिस, फायर, एसडीआरएफ और फ्लड पीएसी ने करीब 44 घंटे तक लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया, जिसके बाद बच्चे का शव बरामद किया गया।

वहीं दूसरी घटना ग्राम महोबा माजरा कैनी शिवनगर की है, जहां रामगंगा नदी में नहाते समय 22 वर्षीय अजय की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल रेस्क्यू शुरू कराया और मात्र चार घंटे में एसडीआरएफ व गोताखोरों की मदद से शव को बरामद कर लिया।

दोनों घटनाओं को दैवीय आपदा की श्रेणी में मानते हुए राजस्व एवं आपदा विभाग ने नियमानुसार प्रत्येक प्रभावित परिवार को चार-चार लाख रुपये की अहैतुक सहायता स्वीकृत की। मंत्री धर्मपाल सिंह ने तहसील प्रशासन की मौजूदगी में राहत राशि के चेक सौंपते हुए हर संभव सरकारी सहयोग का भरोसा दिलाया।

दोस्त को पीटने के बाद बेहोशी की हालत में घर के बाहर छोड़ा, मौत

चार दोस्तों पर लगाया हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली थाना किला के गढ़ी चौकी इलाके में 19 वर्षीय युवक राहुल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने उसके चार दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक राहुल के पिता विनोद कश्यप ने जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर पत्रकारों को बताया कि गुरुवार रात नौ बजे राहुल खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहा था। तभी पड़ोस में रहने वाले रवि, जतिन, लकी, सोनू और उनके अन्य साथी उसे घर से बुलाकर अपने साथ ले गए। आरोप है कि रात करीब तीन बजे राहुल खून से लथपथ और बेहोशी की हालत में घर के बाहर दरवाजा पर पड़ा था। दरवाजे से कुछ दूरी पर उसकी चप्पल पड़ी हुई थी। परिजनों ने उसे घर के अंदर लिटाया तो उसके सिर समेत शरीर पर चोटों के निशान दिखाई दिए। शुक्रवार सुबह राहुल की हालत और बिगड़ गई। परिजन उसे ई-रिक्शा से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता का आरोप है कि चारों दोस्तों ने राहुल की रात भर पिटाई की और बेहोशी की हालत में घर के बाहर छोड़कर भाग गए। उन्होंने किला थाना पुलिस को तहरीर देकर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। मृतक की मां गीता ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले ज़ब माता पिता दिल्ली में काम करने चले गए थे तभी राहुल का सोनू, लकी, रवि और जतिन से विवाद हो गया था। बाद में सभी के बीच फिर दोस्ती हो गई, लेकिन उन्हें शक है कि पुरानी रंजिश के चलते उनके बेटे को बुलाकर पिटाई की गई और उसकी हत्या कर दी गई।

चारों प्रवेश द्वार होंगे भव्य कांवड़ियों के स्वागत में, BDA का मास्टर प्लान तैयार ,पहली बार बीडीए की खास पहल

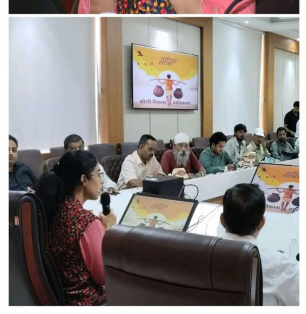

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण (BDA) सभागार में उपाध्यक्ष सौम्या पांडे ने पत्रकारों के साथ शुक्रवार को हुई प्रेसवार्ता में कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियों और शहर के विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि पहली बार BDA कांवड़ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं कर रहा है। कांवड़ मार्गों की मरम्मत, चौड़ीकरण, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, जल निकासी और यातायात सुधार के साथ शहर के चारों प्रवेश द्वारों को आकर्षक सजावट और लाइटिंग से संवारा जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए सेल्फी प्वाइंट, शिव भजनों की व्यवस्था, भंडारा, मेडिकल कैंप, एम्बुलेंस, मोबाइल टॉयलेट, चार्जिंग हब, पेयजल और विश्राम स्थल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

बैठक में शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं और BDA की भावी योजनाओं पर भी चर्चा हुई।

पत्रकारों के सुझावों का स्वागत करते हुए उपाध्यक्ष ने कहा कि जनहित, पारदर्शिता और गुणवत्तापूर्ण विकास प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मीडिया को प्रशासन और जनता के बीच मजबूत सेतु बताते हुए भविष्य में भी बेहतर समन्वय का भरोसा दिलाया।

अधूरे काम पूरे करो या जवाब दो – एन-कैप समीक्षा में डीएम का सख्त संदेश, 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में विकास कार्यों की रफ्तार तेज करने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निगम की एन-कैप (NCAP) योजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में अधूरे कार्यों और लंबित परियोजनाओं पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। डीएम ने नगर निगम के अधिकारियों से कहा कि जिन विकास कार्यों के टेंडर अभी तक नहीं हुए हैं, उन्हें तत्काल तैयार कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। वहीं लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की लंबित सड़कों पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक पत्राचार कर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन नई सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, उनके दोनों ओर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाए और पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए जाएं। साथ ही सभी पूर्ण एवं प्रगति पर चल रहे कार्यों का विवरण संबंधित पोर्टल पर समय से अपलोड करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को पूर्ण कार्यों का सत्यापन टीम गठित कर कराने के निर्देश दिए। वहीं वन विभाग को मियावाकी पद्धति के तहत जिन स्थानों पर अभी तक वृक्षारोपण नहीं हुआ है, वहां डीपीआर तैयार कर शत-प्रतिशत पौधारोपण सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी विभाग निर्धारित समय सीमा में कार्यों को पूरा करें। इन निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा के लिए 15 दिन बाद दोबारा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर नगर आयुक्त शशि भूषण, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग भगत सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देवचरा बाजार से चोरी हुई बाइक बरामद , भमौरा पुलिस ने आरोपी को दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना भमोरा पुलिस ने शानदार कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी की घटना का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने चोरी की गई होंडा साइन (UP25DY1689) मोटरसाइकिल बरामद करते हुए आरोपी फिदा हुसैन निवासी लाल फाटक कांधरपुर, थाना कैंट को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार 30 जुलाई को देवचरा के साप्ताहिक बाजार से अकरम की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। शिकायत के आधार पर थाना भमोरा में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम ने जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रम्पुरा बुजुर्ग जाने वाले रास्ते से आरोपी को चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने मोटरसाइकिल चोरी कर उसे बेचकर पैसे कमाने की योजना बनाई थी, लेकिन पुलिस की सतर्कता के चलते वह अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सका। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पवन कुमार, उपनिरीक्षक मनोज कुमार तथा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

घर में मुर्गे का मीट बेंचने की सूचना पर पुलिस ने की छापामारी

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। नवाबगंज क्षेत्र में सावन माह में घर में मुर्गे का मांस बेंचने की सूचना पर पुलिस ने ग्रामीण के घर छापेमारी की तो पुलिस को वहां मुर्गे मिले। पुलिस उसे थाने लाई। बाद में हिदायत देकर छोड़ दिया।सावन माह को देखते हुए मांस की बिक्री पर रोक लगा दी गयी है। गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि कुंडरा गांव कसा युवक घर से मुर्गे काटकर मीट बेच रहा है। पुलिस ने छापेमारी की तो घर में जिंदा मुर्गे मिले। पुलिस युवक को थाने लाई। उसने पुलिस को बताया कि उसके चाचा की मुर्गे के मीट की दुकान है, जिसे सावन के चलते प्रशासन के निर्देश पर बंद कर दिया गया है।

फर्जी फर्मों के जरिए टैक्स चोरी का खेल , कार, 37 एटीएम कार्ड और बैंकिंग दस्तावेज पुलिस ने किए बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । थाना कैंट, इज्जतनगर और भमोरा पुलिस की संयुक्त टीम ने फर्जी फर्मों के

जरिए 5 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक कार, 37 एटीएम कार्ड, 9 मोबाइल, बैंक पासबुक, चेकबुक, फर्जी फर्मों की मोहरें और जीएसटी से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार मामले में अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न, जनहित के हर मुद्दे पर संघर्ष तेज करने का आह्वान

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक की जिला स्तरीय बैठक आज कोंच में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, आगामी जनसंपर्क अभियान तथा वर्तमान सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के मुख्य अतिथि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रदेश प्रधान महासचिव डॉ. बृजेश सिंह राजावत ने कार्य कर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया'के नेतृत्व में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक प्रदेश की जनता के अधिकारों सम्मान और न्याय की लड़ाई पूरी निष्ठा के साथ लड़ रहा है। पार्टी का उद्देश्य केवल राजनीति करना नहीं, बल्कि जन विश्वास को मजबूत करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और विकास पहुँचाना है।उन्होंने कहा कि आज आम नागरिक महँगाई, बेरोज़ गारी, किसानों की बढ़ती लागत, युवाओं के सीमित रोजगार अवसर, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों तथा स्थानीय विकास जैसे अनेक गंभीर विषयों से जूझ रहा है। सरकारों का दायित्व केवल योजनाएँ घोषित करना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक ईमानदारी से पहुँचाना भी है। लोकतंत्र की

सफलता तभी सार्थक होगी, जब जनता की समस्या ओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

डॉ. राजावत ने कहा कि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों, पारदर्शी प्रशासन और जनसेवा की राजनीति में विश्वास रखता है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता और शासन के बीच एक सशक्त सेतु बनकर कार्य करे तथा समाज के प्रत्येक वर्ग–किसान, युवा, महिला, व्यापारी, श्रमिक एवं वंचित वर्ग की आवाज़ को मजबूती से उठाए।उन्होंने कहा कि राजा भैया सदैव सेवा, सादगी, संवेदन शीलता और जन सरोकारों की राजनीति के प्रतीक रहे हैं। उनके नेतृत्व में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक जनता के विश्वास को अपनी सबसे बड़ी शक्ति मानते हुए प्रदेश के विकास सामाजिक समर सता और लोक तांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करता रहेगा।

बैठक में जिला अध्यक्ष सुनील सिंह द्वारा निर्णय लिया गया कि संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय किया जाएगा, सदस्यता अभि यान को गति दी जाएगी तथा जनहित के प्रत्येक मुद्दे पर लोक तांत्रिक एवं शांति पूर्ण तरीके से जनआंदोलन चला कर जनता की आवाज़ को बुलंद किया जाएगा।

बैठक के अंत में सभी पदाधिका रियों जिसमें जिला उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ,जिला उपाध्यक्ष लाल सिंह गुर्जर, जिला महासचिव संजय सिंह चितौरा जिला सचिव बृषभान सिंह गुर्जर, अमित अवनीत गुर्जर जिला मीडिया प्रभारी, सचिन गुर्जर प्रधान, बृजेश प्रधान चितौरा प्रधान चन्देल साहिब व्योना विष्णु दयाल कुशवाहा, विमल कुमार,के साथ साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने राजा भैया के नेतृत्व में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनसेवा के संकल्प को घर घर तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

तालाबों के सौंदर्यीकरण, पानी की टंकी तक सड़क निर्माण एवं ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ जनपद के ग्राम पहाड़पुरा के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने गांव में स्थित दो बड़े तालाबों के सौंदर्यीकरण तथा पेयजल टंकी तक पहुंचने के लिए संपर्क मार्ग के निर्माण की मांग जिलाधिकारी के समक्ष रखी। ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि गांव के दोनों तालाबों का वीबीजी राम जी योजना के अंतर्गत सौंदर्यीकरण कराए जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही पेयजल टंकी तक पहुंचने के लिए संपर्क मार्ग निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र स्वीकृति हेतु भेजा जाए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से पंचायत भवन के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही

जनसेवाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने पूछा कि जन्म प्रमाण-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र सहित अन्य शासकीय सेवाएं समयबद्ध रूप से मिल रही हैं या नहीं। इस पर ग्रामीणों ने एक स्वर में बताया कि पंचायत भवन के माध्यम से अधिकांश छोटे-बड़े कार्य आसानी से संपन्न हो रहे हैं तथा उन्हें आवश्यक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो रही हैं।जिलाधिकारी ने ग्राम स्थित बहुउद्देशीय सहकारी समिति का भी निरीक्षण किया। परिसर में पर्याप्त खाली स्थान उपलब्ध होने पर उन्होंने वहां नियमित साप्ताहिक बाजार संचालित किए जाने की संभावनाओं पर कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही समिति परिसर में बंद पड़ी दुकानों का नियमानुसार आवंटन कर छोटे उद्यमियों एवं स्वरोजगार से जुड़े लोगों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, स्थानीय रोजगार के अवसरों का सृजन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, एआर कोऑपरेटिव शिव कुमार ग्रामीण जन मौजूद रहे।

हाईवे पर अवैध अतिक्रमण हटाने और सख्त पेट्रोलिंग के निर्देश, सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दुर्घटनाएं रोकने पर हुआ मंथन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा यातायात सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर कलेक्टर ने आरटीओ को समय-सीमा में फील्ड टीम गठित करने तथा %जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स% बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। यातायात पुलिस और आरटीओ को संयुक्त रूप से हाईवे पर लगातार पेट्रोलिंग करने तथा अनियंत्रित खड़े ट्रकों एवं भारी वाहनों के विरुद्ध ई-चालान और सख्त कार्रवाई करने को कहा गया।बैठक में भारतीय

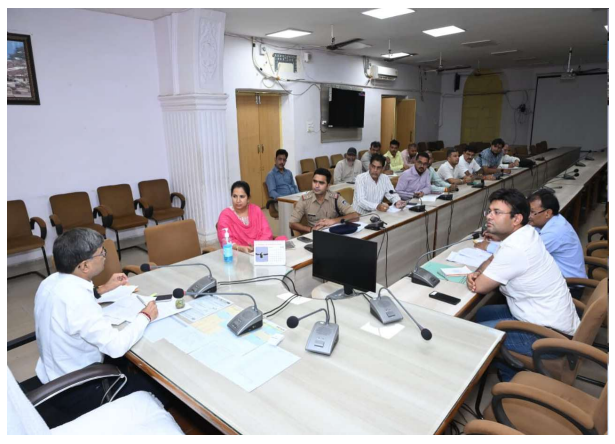

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रत्येक 75 किलोमीटर पर %ले-बाय% निर्माण के लिए ड्रोन सर्वे कर एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए गए। वहीं ओवरस्पीडिंग रोकने के लिए हाई-स्पीड कैमरे लगाने का प्रस्ताव तैयार करने को भी कहा गया।

लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग और एनएचएआई को संयुक्त रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास हुए अवैध अतिक्रमणों का सर्वे कर उन्हें तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। साथ ही बिना एनओसी संचालित दुकानों, ढाबों एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए।

अपर कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा, ताकि राजमार्गों को अधिक सुरक्षित और दुर्घटना मुक्त बनाया जा सके।

सड़क व अग्नि सुरक्षा से संबंधित जागरुकता बैठक का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद - कस्बा के राष्ट्रीय इंटर कालेज के सभागार में सड़क सुरक्षा एवं अग्नि सुरक्षा से संबंधित जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें दो पहिया वाहन चालक हेलमेट,चार पहिया वाहन चालक शीट लगाकर चलें,गलत दिशा में वाहन न चलाएं आदि जानकारियां दी गई। सह संभागीय परिवहन अधिकारी, सह जिला विद्यालय निरीक्षक अलीगढ़, राजकिशोर, अग्निशमन विभाग से क्षेत्राधिकारी, ट्रैफिक पुलिस निरीक्षक, शिक्षा विभाग के जिला क्रीड़ा प्रभारी सुशील कुमार शर्मा एवं ब्लाक अकराबाद के समस्त शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं सड़क सुरक्षा समिति के प्रभारी तथा राष्ट्रीय इंटर कॉलेज अकराबाद के प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र पाल सिंह,एसआई अनिल कुमार, विद्यालय के प्रॉक्टर अरुण कुमार राजपूत एवं संदीप कुमार यादव वरिष्ठ प्रवक्ता अरविंद कुमार, चुन्नीलाल जी, सुमित कुमार अग्रवाल, सुशील चौधरी, राणा प्रताप यादव , दुर्वेश कुमार उपाध्याय, सुशील कुमार गुप्ता, सुबोध कुमार पीटीआई, संदीप गुप्ता, हरेंद्र सिंह, मोनिका रानी ,रूबी तथा अशोक कुमार शर्मा अजय उपाध्याय, अनंत उपाध्या संजीव कुमार ,रामकुमार, अजय चौधरी, विशाल कुमार आदि उपस्थित रहे.

राजस्व विभाग व पुलिस टीम ने अबैध कब्जेदार को बेदखल कर दिलाया कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद = राजस्व विभाग की टीम भारी पुलिस बल के साथ गांव दिनावली पहुंची जहां एक बैनामाशुदा जमीन पर अबैध रुप से किए गए कब्जे को जेसीबी व ट्रैक्टर से ध्वस्त करा दिया। मामले में नायबतहसीलदार जलाली प्रवीन कुमार ने बताया है कि थाना विजयगढ़ के गांव नगला तुलाराम निवासी कल्पना सिंह पत्नी शैलेन्द्र सिंह ने अबैध कब्जे के संबंध में उपजिलाधिकारी कोल के यहां प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें नायब तहसीलदार अकराबाद के द्वारा अपनी आख्या उल्लिखित किया गया है कि गाटा संख्या 864/4 पर कल्पना सिंह पत्नी शैलेन्द्र सिंह बतौर संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज है। विपक्षी बनी सिंह पुत्र डम्बर सिंह आदि वादिया को गाटा संख्या 864 पर कब्जा करने से रोक रहे हैं। विपक्षी बनी सिंह पुत्र डम्बर सिंह आदि द्वारा उक्त गाटा संख्या 864/4 से पर अबैध रुप से पालीथीन की झोपड़ी डालकर कब्जा कर लिया है। और कोई भी कागजात नहीं दिखाए गये हैं,

जब कि वादियां कल्पना सिंह के हक में एसडीएम कोल कोर्ट द्वारा दिनांक 28-03-2018 को कुरे स्वीकार कर आदेश पारित किया गया है। इस प्रकार विपक्षी बनी सिंह पुत्र डम्बर सिंह आदि का कोई भी स्वामित्व या हक न होने के कारण यह अवैध कब्जाधारक भू-माफियाओं की श्रेणी में आते हैं। मौके पर उभय पक्षों के मध्य झगड़े की सम्भावना है। आख्यानुसार अवैध अध्यासियों का नियमानुसार अवैध कब्जा हटाये जाने हेतु राजस्व एवं पुलिस बल की टीम गठित की गई जिसमें नायब तहसीलदार जलाली प्रवीन कुमार, मुन्ने खां, राजस्व निरीक्षक धनीपुर, ज्ञान प्रकाशन सन्त, राजस्व निरीक्षक जलाली।

श्याम सुन्दर वर्मा क्षेत्रीय लेखपाल, अवधेश कुमार लेखपाल अकराबाद।

रामप्रकाश बघेल, लेखपाल हदुआगंज को आदेशित किया गया कि अबैध कब्जा हटवाकर आख्या प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करेंगे। गुरुवार को राजस्व विभाग व पुलिस की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और संबधित पक्षों के लोगों को समझा बुझाकर कब्जा हटाने को कहा लेकिन अबैध कब्जा धारकों ने हंगामा करना शुरु कर दिया। लेकिन राजस्व व पुलिस टीम के सामने एक नहीं चली। कल्पना सिह ने पुलिस की मौजूदगी में कब्जा मुक्त कराई जमीन पर बाजरा की फसल की बोआई करदी कर चारों और तार लगाकर फेंसिंग कर दी गई है। टीम ने चेतावनी दी है कि संबंधित जमीन पर छेडछाड़ की गई तो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान कस्बा प्रभारी एवं उपनिरीक्षक नितिन यादव, महिला उपनिरीक्षक विशाखा आदि पीएसी व पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नानऊ नहर से निकला मगरमच्छ मचा हडकंप

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद। थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे स्थित गांव नानऊ में नहर से एक मगरमच्छ निकलने से हड़कंप मच गया बताया जाता है कि मगरमच्छ की लंबाई लगभग 7 फीट की थी मगरमच्छ के नहर से बाहर आने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग

मौके पर जमा हो गए स्थानीय लोगों ने तुरंत वन विभाग को इसकी जानकारी दी वन विभाग की टीम पहुंचने से पहले मगरमच्छ वापस नहर में चला गया स्थानीय दुकानदारों ने इस घटना से देश का माहौल है दुकानदार गुलशेर डॉक्टर विनीत सिंह मयंक ठाकुर विक्रम प्रताप सत्यपाल सिंह राकेश टेलर रोहित कुमार आदि दुकानदारों ने बताया कि नहर से आए दिन मगरमच्छ निकालते रहते हैं दुकानदारों के अनुसार रात के समय मगरमच्छ अक्सर सड़क पर घूमते देखे जाते हैं इसके दर्द के कारण गर्मी के मौसम में भी दुकानदार रात में अपनी दुकानों के बाहर सोने से कतराते हैं

ग्वालियर बायपास पर लगा मोबाइल कोर्ट, 34 वाहन चालकों से वसूला 24,500 रुपये जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती प्राची शर्मा उपाध्याय के निर्देशन में ग्वालियर

बायपास पर मोबाइल कोर्ट लगाया गया। कार्रवाई के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 34 वाहन चालकों पर कुल 24,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर आयोजित इस विशेष अभियान में तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने, काली फिल्म लगी होने, सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने, नंबर प्लेट पर पदनाम लिखने, बिना नंबर के वाहन चलाने तथा नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने जैसे मामलों में चालानी कार्रवाई की गई। मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई के दौरान जेएमएफसी श्रीमती प्रत्यक्षा कुलेश, जेएमएफसी श्रीमती प्रिया शर्मा, जेएमएफसी श्री धर्मवीर राठौर, एडीपीओ मयंक श्रीवास्तव, यातायात प्रभारी रणवीर यादव, कोतवाली थाना प्रभारी रोहित दुबे, सूबेदार प्रियंका घोष सहित यातायात एवं कोतवाली पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित वाहन संचालन अपनाने की अपील की है।

कांवड़ यात्रा और उर्स-ए-रज़वी को लेकर पुलिस अलर्ट, एसपी सिटी ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । श्रावण मास की

कांवड़ यात्रा और उर्स-ए-रज़वी को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में एसपी सिटी मानुष पारीक ने थाना प्रभारियों और चौकी इंचार्जों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त, फ्लैग मार्च और सघन चेकिंग बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही पीस कमेटी और स्थानीय लोगों से समन्वय बनाए रखने, किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करने तथा श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने पर विशेष जोर दिया।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0अभियान का भव्य समापन, 15 दिवस में जिले भर में कुल 568 जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/हाकम सिंह रघुवंशी/ 2 लाख से अधिक नागरिकों तक प्रत्यक्ष और 16 लाख से अधिक लोगों तक डिजिटल माध्यमों से पहुंचा नशामुक्ति का संदेश नुक्कड़ नाटक, म्यूट एक्ट, अभियान गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं डॉक्यूमेंट्री के जरिए दिया नशे से दूर रहने का संदेश अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुलिसकर्मियों, संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों का हुआ सम्मान नशे के दुष्परिणामों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने एवं समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार, पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश श्री कैलाश मकवाना के निर्देशन में एवं पुलिस महानिरीक्षक भोपाल (देहात) ज़ोन श्रीमती रुचिवर्धन मिश्र तथा उप पुलिस महानिरीक्षक (देहात) रेंज भोपाल श्री राजेश सिंह चंदेल के मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी के नेतृत्व में विदिशा पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 विशेष जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान का भव्य समापन 31 जुलाई 2026 को रवीन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन, विदिशा में आयोजित समारोह के साथ हुआ।

दीप प्रज्ज्वलन एवं डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुति से हुआ समारोह का शुभारंभ– समापन समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, पुष्पगुच्छ भेंट एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत 15 दिवसीय अभियान की प्रमुख गतिविधियों पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री/वीडियो प्रस्तुति प्रदर्शित की गई। इस दौरान मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्री मुकेश टंडन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, उप पुलिस महानिरीक्षक (देहात) भोपाल रेंज श्री राजेश सिंह चंदेल एवं पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी उपस्थित रहे। पूरे अभियान के दौरान नशा मुक्ति चौपाल, कार्यशालाएं, विद्यालय एवं महाविद्यालय कार्यक्रम, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, पार्क, मंदिर, जनसंवाद, रैलियां, रन फॉर लाइफ, मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, हाट-बाजार जागरूकता अभियान, उद्योगों एवं शासकीय कार्यालयों में कार्यक्रम, प्रदर्शनी, पोस्टर एवं पेंटिंग प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, निबंध, चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिताएं, लोकगीत, जिंगल्स, जागरूकता रथ, वीडियो संदेश, सोशल मीडिया रील्स एवं डिजिटल माध्यमों से व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया।

विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 के संदेश को समाज तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया। अभियान में युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, व्यापारियों, ग्रामीणों एवं वरिष्ठ नागरिकों सहित समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता रही। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने दिया नशामुक्त समाज का संदेश– माननीय विधायक श्री मुकेश टंडन ने विदिशा पुलिस के 15 दिवसीय अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नशे का प्रभाव एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और कई पीढ़ियों को प्रभावित करता है।

उन्होंने परिवारजनों से नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को सुधारने में सहयोग करने तथा अभियान को सामाजिक अभियान बनाकर इसमें सक्रिय सहभागिता करने की अपील की। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। नशामुक्ति केवल पुलिस का अभियान नहीं, बल्कि पूरे समाज का जन-आंदोलन बनना चाहिए। उन्होंने युवाओं को नशे से बचाने की अपील करते हुए संदेश दिया– नशा छोड़ें, परिवार जोड़ें। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा ने भारत माता की जय के जयघोष के साथ नशा मुक्ति विदिशा, समृद्ध विदिशा का संदेश देते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में सभी से सहभागिता का आह्वान किया।

उप पुलिस महानिरीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल ने अभियान के तहत विदिशा में आयोजित विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत सरकार ने नशामुक्त समाज का संकल्प लिया है और पुलिस हमेशा जनता के साथ है। उन्होंने सभी से मिलकर नशे को समाज से दूर करने का आह्वान किया। समापन समारोह में अभियान को सफल बनाने में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान देने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों एवं अभियान के समन्वयकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही नगर रक्षा समिति के सदस्यों, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रतिनिधियों, परिवर्तन नशा मुक्ति केंद्र के प्रतिनिधियों, गायत्री परिवार के सांस्कृतिक प्रस्तुति दल, नुक्कड़ नाटक दल, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों/प्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स तथा अभियान में सहयोग देने वाले आम नागरिकों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अभियान के दौरान आयोजित नृत्य, क्विज, वाद-विवाद, निबंध, चित्रकला, रंगोली एवं अन्य प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय प्रतिभागी विजेताओं को भी पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए।

समारोह के दौरान माह मई में सी.सी.टी.एन.एस. (CCTNS) में विदिशा जिले को प्रथम रैंकिंग प्राप्त होने पर संबंधित थाना प्रभारियों एवं सी.सी.टी.एन.एस. ऑपरेटरों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पुलिस कार्यप्रणाली में बेहतर तकनीकी उपयोग, रिकॉर्ड प्रबंधन एवं सी.सी.टी.एन.एस. व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया।समापन समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी सहित जिले के समस्त समस्त एसडीओपी, समस्त थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी समेत पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारी तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। *नशामुक्त समाज के संकल्प एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ अभियान का समापन*

समारोह के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक, परिवार, विद्यालय, सामाजिक संस्था एवं समाज के सामूहिक प्रयासों से संभव है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान सात अगस्त से, मुख्य सचिव ने दिए व्यापक तैयारी के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- प्रदेश में 7 अगस्त से 8 जनवरी 2027 तक संचालित होने वाले %मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान% की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गत दिवस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई थी। बैठक में अभियान से जुड़े विभागों के विभागाध्यक्ष, सभी संभागायुक्त, कलेक्टर तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में अभियान की रूपरेखा का प्रस्तुतीकरण किया गया तथा जिलों में इसकी प्रभावी क्रियान्वयन रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भ्रमण कार्यक्रम तैयार किया जाए। प्रत्येक विकासखंड को इकाई मानते हुए, जहां संभव हो क्लस्टर स्तर तक भ्रमण की योजना बनाई जाए तथा कार्यक्रम की जानकारी पूर्व से व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से आमजन तक पहुंचाई जाए।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में यदि नागरिकों से नई समस्याएं या शासकीय योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त होते हैं, तो उन्हें विधिवत दर्ज कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संबंधित क्षेत्र में अगला भ्रमण होने से पहले अधिकतम मामलों का निराकरण किया जाना चाहिए।बैठक में सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि वे अपनी विभागीय संस्थाओं के निरीक्षण के लिए मानक निरीक्षण प्रपत्र तैयार कर अभियान प्रारंभ होने से पूर्व जिलों को उपलब्ध कराएं, जिससे निरीक्षण कार्य एकरूपता और प्रभावशीलता के साथ संपन्न हो सके। मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने अभियान के उद्यम संवाद घटक पर विशेष बल देते हुए कहा कि स्थानीय कुटीर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के उद्यमियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाए। विशेष रूप से विभिन्न विभागों से मिलने वाले क्लीयरेंस, अनापत्ति प्रमाण-पत्र, लोक सेवा गारंटी अधिनियम से जुड़ी सेवाओं एवं अन्य प्रशासनिक बाधाओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन समस्याओं का समाधान जिला स्तर पर संभव नहीं है अथवा जिनमें राज्य स्तर पर नीति, बजट, तकनीकी या प्रशासनिक निर्णय आवश्यक हैं, उन्हें संबंधित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं विभागाध्यक्षों के समन्वय से समयबद्ध रूप से निराकृत कराया जाए।मुख्य सचिव ने बताया कि अभियान की संपूर्ण मॉनीटरिंग पोर्टल आधारित होगी। भ्रमण रोस्टर एवं अन्य आवश्यक जानकारियों की ऑनलाइन प्रविष्टि के लिए लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल हेतु पृथक यूजर मैनुअल जारी किया जाएगा। सभी अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में पोर्टल पर आवश्यक जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए गएस्तर के अन्य विभागीय अधिकारियों के फील्ड भ्रमण की भी नियमित मॉनीटरिंग सुनिश्चित करें। बैठक में यह भी तय किया गया कि राज्य स्तर के विभागाध्यक्ष एवं विभाग प्रमुख जिलों के भ्रमण के दौरान विभागीय संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे तथा जनसंवाद एवं उद्यम संवाद कार्यक्रमों में यथासंभव अनिवार्य रूप से भाग लेंगे।

40 साल पुराना श्री सीताराम मंदिर, जहां स्थापित हैं 111 नर्मदेश्वर शिवलिंग

नर्मदा नदी से प्राप्त प्राकृतिक शिलाओं से बने इन शिवलिंगों का सनातन परंपरा में विशेष धार्मिक महत्व

मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित 111 नर्मदेश्वर शिवलिंग हैं, श्रद्धालु शिवलिंगों पर जल, दूध, बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्प अर्पित कर पाते हैं भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद गुजराती मोहल्ला स्थित प्राचीन श्री सीताराम मंदिर एवं 111 नर्मदेश्वर शिवलिंग मंदिर शिवभक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। हर साल सावन में मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। भोलेनाथ के जयघोष, घंटियों की मधुर ध्वनि और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना है। शहर ही नहीं, आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक और श्रीराम के दर्शन करते हैं। मंदिर के पुजारी पंडित हरिकृष्ण दुबे ने बताया कि मंदिर लगभग 40 वर्ष पुराना है और वर्षों से श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र बना है। मंदिर प्रतिदिन सुबह 7:00 बजे खुलता है और दोपहर 11:30 बजे तक दर्शन होते हैं। इसके बाद शाम 4:00 बजे मंदिर के कपाट दोबारा खुलते हैं, जहां रात 9:00 बजे तक श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर सकते हैं। मंदिर के पुजारी ने बताया कि सावन में कांवड़िए पूरे दिन किसी भी समय मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं, उनके लिए विशेष व्यवस्था की गई है।सावन के दौरान मंदिर परिसर में विशेष रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और शिव पूजन का आयोजन किया जा रहा है। %हर-हर महादेव% और %बोल बम% का जयघोष मंदिर परिसर में गूंजता रहता है। गुजराती मोहल्ला स्थित यह मंदिर आज भी मुरादाबाद के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए है। सावन में यहां उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इसकी धार्मिक महत्ता का प्रमाण है। नर्मदा नदी से प्राप्त प्राकृतिक शिलाओं से बने 111 शिवलिंग यहां हैं स्थापित- इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित 111 नर्मदेश्वर शिवलिंग हैं। नर्मदा नदी से प्राप्त प्राकृतिक शिलाओं से बने इन शिवलिंगों का सनातन परंपरा में विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। श्रद्धालु सभी शिवलिंगों पर जल, दूध, बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्प अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई पूजा से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के विग्रह विराजमान हैं। यहां प्रतिदिन नियमित आरती, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। रामनवमी, दीपावली, महाशिवरात्रि और सावन के सभी सोमवारों पर मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम होते हैं, जिनमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवक ने फंदे पर लटककर दी जान

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ हरदुआगंज ⊃ गांव नयाबांस नरेंद्रगढ़ी में बीतीरात युवक ने गांव के बाहर आंबेडकर पार्क के निकट फंदे पर लटककर जान दे दी। स्वजन ने युवक को शराब पीने का आदी बताया है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच में जुटी है। नरेंद्रगढ़ी के पप्पू सिंह के चार बेटों में सबसे बड़े बेटे राजू शराब पीने का आदी था। जिसकी पत्नी कई साल पहले छोड़कर चली गई थी। सुबह लोग आंबेडकर पार्क में टहलने निकले, तो पार्क के निकट पीपल के पेड़ पर बंधे फंदे पर राजू लटका मिला। जिसे देख गांव में सनसनी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने साक्ष्य संकलन कर शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। राजू के भाई काले सिंह ने बताया कि राजू अकेला रहता था। स्वजन ने किसी भी रंजिश से इन्कार किया है। वहीं, का गांव में चर्चा है कि राजू का मोहल्ले की ही एक महिला से प्रेमप्रसंग था। जिसे लेकर महिला के पति व राजू में विवाद था। महिला मायके चली गई। जिससे राजू आहत बताया गया। एसएचओ हरिभान सिंह राठौड़ ने बताया कि हर पहलू पर जांच की जा रही है।

39 वर्षों की सेवा के बाद वाहन चालक मोहन बाबू सोनी सेवानिवृत्त, जनसंपर्क कार्यालय में भावभीनी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जनसंपर्क विभाग में लगभग 39 वर्षों तक सेवाएं देने वाले वाहन चालक मोहन बाबू सोनी शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर जिला जनसंपर्क कार्यालय शिवपुरी में उनके सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सहायक संचालक जनसंपर्क श्रीमती प्रियंका शर्मा सहित वरिष्ठ पत्रकारों एवं कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्री सोनी की दीर्घकालीन सेवाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में श्री मोहन बाबू सोनी ने कहा कि उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक दायित्व का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि उन्हें जो भी जिम्मेदारियां सौंपी गईं, उनका पूरी लगन और समर्पण के साथ पालन किया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकारों सहित जनसंपर्क कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अकराबाद में हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने को थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच/ लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ भाजपा मंडल मंत्री विशाल शर्मा ने कहा कि हिंदुओं का पवित्र श्रावण मास शुरू हो चुका है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि इस दौरान क्षेत्र में सभी मीट-मांस की दुकानें बंद करवाई जाएं। हिंदूवादी नेता आकाश पचौरी ने बताया कि श्रावण मास में माताएं और बहनें उपवास रखती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यदि मांस का टुकड़ा भी दिख जाए तो उपवास अपवित्र माना जाता है। पचौरी ने प्रशासन से वैध और अवैध, सभी प्रकार की मांस की दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर अभिषेक पचौरी, जतिन प्रताप सिंह, देव राजपूत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवा सभासद माधव यादव ने जालौन पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार / कोंच(जालौन)। आज नगर पालिका परिषद के युवा सभासद माधव यादव जालौन पहुंचे और उन्होंने जिला पंचायत सदस्य रामेन्द्र त्रिपाठी उरगांव के दादा श्री राम प्रकाश त्रिपाठी के निधन उपरांत आयोजित त्रयोदशी भोज में दादा श्री राम प्रकाश त्रिपाठी के चित्र पर पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर उनकी टीम के साथी आबिद मंसूरी बसीर मंसूरी ओपी यादव कल्लू मंसूरी आदि लोग शामिल रहे।

The secret to long and shiny hair is 'rice water,' just need to know the right way to use it.

Rice water is a natural and effective remedy for hair loss, dryness, and slow hair growth. Hair loss, dryness, and slow hair growth have become common problems these days. If you're looking for a natural and effective products, rice water is an excellent Asian countries for centuries to Its vitamins B, C, E, and amino acids them from within. Let's learn about water correctly. How to use rice cup of rice thoroughly and soak it Strain the water. After shampooing, scalp. After 5-10 minutes, rinse with Cover rice in water for 24 hours. ready. Store it in the refrigerator. water before use. Fermented water strengthen hair roots and promote one teaspoon of aloe vera gel and a water. Apply it to the scalp and hair This mask is especially beneficial for Spray - Fill rice water in a spray between hair washes. Rinse it out The inositol in rice water repairs the Amino acids nourish the roots, Regular use improves hair texture

solution instead of expensive hair home remedy. It has been used in strengthen, lengthen, and shinier hair. nourish the hair roots, strengthening easy and effective ways to apply rice water? Plain rice water: Wash one in 2-3 cups of water for 30 minutes. gently massage the water into your plain water. Fermented Rice Water - When a mild sour smell appears, it's Mix it with an equal amount of plain is rich in antioxidants, which help growth. Rice Water Hair Mask - Mix few drops of coconut oil with rice lengths and leave it on for 20 minutes. dry and damaged hair. Rice Water bottle and lightly spray it on the scalp after 10 minutes. How does it work? hair cuticle, reducing breakage. making hair thicker and stronger. and maintains its natural shine. Precautions: Use no more than 2-3 times a week. Never apply highly fermented water directly; always dilute it. If your scalp is very oily or sensitive, do a patch test first.

Do you also throw away the peels after squeezing lemons? 7 amazing benefits will change your habit today.

Lemon peels, often considered useless, are actually a treasure trove of nutrients. Often, after squeezing lemon juice, the peels are thrown into the trash, but did you know that the peels we consider useless are actually a priceless treasure of nutrients? calcium, potassium, and antioxidants. When these peels are to be nothing short of miraculous for our health, skin, surprising benefits of lemon peel water. Prevents diseases and amounts of vitamin C and flavonoids. These elements help consume it daily, you can avoid colds, coughs, viral infections, A great remedy for all stomach problems - If you frequently helpful. The fiber and natural enzymes in the peels thoroughly empty stomach in the morning relieves problems like the digestive system healthy. Helpful in weight loss - This water accelerates the body's metabolism and activates the fat- controls hunger, preventing overeating. Bring a natural glow impurities from the body. This detoxification directly reflects pigmentation, and gives your face a beautiful, natural glow. antioxidants present in this water help maintain balanced body, significantly reducing the risk of heart-related diseases. water is also very effective in cleansing the kidneys and liver. increases your energy level, relieving you of day-long fatigue. its antibacterial properties can help. This water eliminates bad breath and oral infections. How to prepare lemon peel lemon peels thoroughly with water. Now, take 2 cups of water for 10 to 15 minutes. After boiling, turn off the heat and let

The truth is, lemon peels are rich in vitamin C, fiber, boiled or soaked in water and consumed, they prove digestion, and immunity. Let's explore the boosts immunity - Lemon peels contain high strengthen the body's immune system. If you and other problems caused by changing weather. experience stomach issues, this water can be very cleanse the stomach. Drinking this water on an constipation, gas, acidity, and indigestion, and keeps is also beneficial for those trying to lose weight. It burning process. Furthermore, drinking it also to your face - Lemon peel water helps flush out on your skin. It reduces acne, blemishes, and Keeps the heart fit - The potassium and excellent blood pressure. It reduces bad cholesterol in the Detox the body and relieve fatigue - Lemon peel It removes harmful substances from the body and Get rid of bad breath - If you suffer from halitosis, bacteria that grow in the mouth, thereby eliminating water? - It's very easy to prepare: First, wash fresh in a vessel, add the peels and boil them thoroughly the water cool. Strain it and drink it. If desired, you can add a little honey for flavor. This is a very easy, inexpensive, and completely natural remedy that can improve your health in many wonderful ways.

Lack of space will no longer be a barrier; grow these 6 vegetables using container kitchen gardening.

If space constraints have prevented you from growing fresh, chemical-free vegetables, this article is especially for you. Grow tomatoes, peppers, spinach, cilantro, eggplant, and radishes easily. Container gardening requires fertile soil, drainage, small corner. Imagine opening your balcony early in the the subtle aroma of coriander, and lush spinach leaves. need a large farm, just a small corner. An old plastic small pot on the windowsill... that's all it takes to create vegetables you can easily grow in containers. Tomatoes - in a pot is the easiest. Simply take a 10-12-inch deep pot, plant. They require good sunlight. The joy you'll unparalleled. Green Chilies - You don't need a large space even an old plastic container can easily grow a chili plant. home-grown chilies are a hundred times better than those vegetables, spinach is the fastest and easiest to grow. You sprinkle the seeds in the soil and water lightly. In just a paneer, or parathas. Coriander - Whether it's a vegetable household. You don't even need to buy seeds from the your kitchen into two pieces and scatter them in the soil kitchen garden very beautiful and fragrant. Eggplant - that's not true. Eggplant plants thrive in a 12-14-inch-deep regularly. In no time, your plant will be laden with round also be easily grown in a container. For this, just keep in the radish gets enough space to grow under the soil. crispy radishes just 30 to 40 days after sowing the seeds. mind: The soil should be excellent: Make sure to mix

and sunlight. Create your own lush kitchen garden even in a morning and being greeted by the glow of fresh red tomatoes, Yes, to savor the taste of hand-grown vegetables, you don't container on your balcony, an unused bucket at home, or a the kitchen garden of your dreams. Let's explore six wonderful Our kitchen is incomplete without tomatoes. Growing them fill it with rich, fertile soil, and plant tomato seeds or a small experience when red, juicy tomatoes grow in your pot is simply to grow spicy and fresh green chilies. A small container or Just keep it in a sunny spot. The taste and aroma of fresh found in the market. Spinach - Among the green leafy don't need a deep pot, but a wide-mouthed container. Simply few weeks, you'll have fresh spinach ready to use in dal, garnish or a green chutney, coriander is a necessity in every market to grow it. Simply break the whole coriander seeds in of a pot. Coriander grows very quickly and makes your You might think that eggplant requires a lot of space, but pot. Simply place the plant in a well-sunlit spot and water or long eggplants. Radish - Radish, the pride of salads, can mind that your pot should be at least 6-8 inches deep, so that Radishes grow very fast and you will get to eat fresh and Before starting container gardening, keep these 3 things in cocopeat and organic manure in the soil of the pot. This will keep the soil light and will give the plants the strength to grow. Drainage space: It is very important to have holes at the bottom of the container, so that excess water can drain out. Stagnant water can rot the roots of the plants. Adequate sunlight: Vegetable plants need at least 4-5 hours of direct sunlight a day.

The pride of a Rajput bracelet... Gangu's pride; these Bhansali heroines rocked the box office, becoming the number one actress.

The heroines in Sanjay Leela Bhansali's films have always featured strong characters, which have also performed exceptionally well at the box office. From Padmaavat to Gangubai, the dialogues of these characters still resonate with audiences. Hindi cinema boasts many filmmakers known for their distinctive work. Sanjay Leela Bhansali, however, is one of those filmmakers whose films feature powerful characters. When it comes to heroines, Bhansali excels. From Paro to Gangubai... Bhansali has given Hindi film heroines many memorable roles, even the dialogues in these films have been a topic of discussion. Padmaavat - "A Rajput bracelet holds as much power as a Rajput sword." When Deepika Padukone utters this line in the 2018 film Padmaavat, it ignites a wave of passion in theaters. This powerful line, depicting the bravery and courage of Rajput women, was incredibly powerful. Deepika played the role of Queen Padmavati in the film. This line demonstrates that a woman's strength is no less than that of a warrior. Goliyon Ki Raasleela Ram-Leela - Released in 2013, "Goliyon Ki Raasleela Ram-Leela" is one of Bhansali's most remarkable films, a huge hit and a much-discussed success. A line from this film starring Deepika Padukone and Ranveer Singh, "Shameless, rude, selfish... but love is just like that" was truly remarkable. Love doesn't always follow rules. Sometimes it's stubborn, sometimes it's reckless, and sometimes it completely takes over the heart. What makes it special is that the songs of the film were super hits. Bajirao Mastani - How can one forget Bajirao Mastani, which released in the year 2016. From songs of this film starring Deepika-Ranveer and the Priyanka Chopra to the story of the film, there was a lot of discussion. The dialogues of the film were also a big hit. "You could have asked for our life from us, we would have happily given it to you... but you took away our pride from us" This dialogue spoken by Priyanka Chopra's character Kashibai became so hit that even today people make reels on it. Another dialogue of this film is 'Tell me on whose sword should I lay my head, if falling in love is a sin then punish me.' It was also a huge hit. People often repeat this dialogue of Deepika's character Mastani. Gangubai Kathiawadi - In 2022, Sanjay Leela Bhansali introduced Alia Bhatt as Gangubai. This film proved lucky for Alia and was a box office success. Alia, who played Gangubai in the film, said, "Hey, when women possess power, wealth, and wisdom, then why are these men so proud?" It became a huge hit. Devdas - "I have dealt with love many times... but love only once." This dialogue in the 2002 film Devdas reflects Chandramukhi's thoughts and feelings. She believes that many relationships can be formed in life, but true love happens only once. This gives her character even more depth. Starring Shah Rukh Khan, Aishwarya Rai, and Madhuri Dixit, this film is considered a cult classic. Released on Netflix Who doesn't remember Heeramandi? The series starred Manisha Koirala, Sonakshi Sinha, Aditi Rao Hydari, Richa Chadha, Sharmin Segal, and Sanjeeda Sheikh. The series created a sensation on OTT platforms. Each character in the series was a superhit, and its dialogues became a household name. One thing is certain from these films and series: the heroines in Bhansali's films were never just co-stars. Each of their characters was strong and courageous. This is why every heroine expresses a desire to work in Bhansali's films.

Married at 16, mother of four, and rebelling against the British... Leaving her alcoholic husband behind, she became cinema's first "Hit Maa."

Hindi cinema's first graduate actress, who married young, fought with her husband, raised her children alone, and even rebelled against the British. There have been many actresses in Bollywood who achieved great success, but the hardships of time in their personal lives have transformed them into utter ruin. While today's actresses live a life of luxury, there was a time when Hindi cinema saw a heroine who, through her own struggles, carved a niche for herself in films. She called Hindi cinema's first graduate actress. is even Today, we'll tell you her story... Who was cinema's first graduate actress? - The actress we're talking about is Leela Chitnis. Born on September 9, 1909, into a Brahmin family in Karnataka, Leela Chitnis came from an educated family. Leela's father was an English professor, so Leela Chitnis herself was highly educated. She earned the title of Maharashtra's first female graduate. She married at the age of 15 or 16. She became the mother of four children, but her passion for acting remained undiminished. She joined a Marathi theater group called "Natyamanvantar." There, she began pursuing her passion for acting by performing dramatic and comedy plays. After this, she entered films. Married at a young age, she then spoke out against the British. Leela Chitnis was around 15- 16 years old when she married Dr. Gajanan Yashwant Chitnis. At a young age, Leela became a mother and had four children. During this time, she and her husband also spoke out against the British. However, her relationship with her husband was not very good. His alcohol addiction troubled her. Eventually, she separated from him and focused on raising her children. After this, Leela started working as a school teacher. Gradually, Leela's journey towards cinema began. Bombay Talkies recognized her talent. Raising four children and managing a household wasn't easy. Finally, Leela Chitnis got her first break with "Gentleman Daku," in which she wore men's clothing. Leela played the role brilliantly. Directors were so impressed by her acting that she was flooded with offers. At that time, Leela was at such a stage in her career that any film she took on would shine. It was during this time that Leela got the opportunity to join Bombay Talkies. However, the film that catapulted Leela Chitnis's career was Kangan, which she did with Bombay Talkies. Leela and Ashok Kumar's performances in the film were highly praised, and the two later appeared in several films together. In 1940, she starred in the film "Bandhan Azad," followed by "Jhoola" in 1941. Meanwhile, in 1941, she made history. She was the first Indian actress to become a Lux Girl and the first Indian actress to endorse the soap brand. Leela Chitnis, cinema's first hit mother, played all kinds of roles throughout her career. She never shied away from any role, and then came a time when she became a hit mother. In the 1948 film Shaheed, Leela played the role of Dilip Kumar's mother for the first time. There were many actresses who played mothers on screen at that time, but Leela was unique. Whenever she played a mother, the audience loved her immensely. She played the mothers of superstars, from Dilip Kumar, Dev Anand, and Raj Kapoor. Despite reaching the peak of her career, Leela Chitnis left the industry after the 1987 film Dil Tujhko Diya. Away from the limelight, Leela settled in America with her children. She was recognized as Maharashtra's first female graduate. She worked for decades, establishing herself in cinema, fighting the British, fighting her husband, and giving many memorable films before breathing her last in America. She passed away in 2003 at the age of 94.

36-hour shift, 40 hours of sleep; Priyanka Chahar Chaudhary reveals the excruciating pain of shooting Naagin 7!

After winning hearts with her performance in Ekta Kapoor's show "Naagin 7," Priyanka opened up about one of the toughest times in her life while filming. Priyanka Chahar Chaudhary was about to turn down Naagin 7! The actress revealed her work schedule during the show - she could sleep after 40 hours. Actress Priyanka Chahar Chaudhary recently appeared on Farah Khan's vlog, and the episode gave fans a glimpse of the hard work behind her successful career. After winning hearts with her performance in Ekta Kapoor's show "Naagin 7," Priyanka opened up about one of the toughest times in her life while filming. Priyanka Chopra revealed her schedule, saying that while shooting for "Battleground," she would spend 18 hours on set and then immediately return to the set of "Naagin 7," where she would have another 12-hour shift. Due to traveling, getting ready, and getting very little sleep in between, her schedule would last approximately 36 hours. She also mentioned taking a short nap only after 40 hours and that she never sleeps during the day, no matter how tired she is. Priyanka worked two shifts. Speaking to Farah Khan, Priyanka Chahar Chaudhary said, "When I did 'Naagin,' I really wanted to do something different. Let me tell you what happened during 'Battleground.' After finishing there, I would be free at 6 or 7 in the morning." I would take a quick shower and be on the set of 'Naagin' by 9 a.m. Then I would shoot for 12 hours, from 9 a.m. to 9 p.m. Priyanka Chahar Choudhary further added, "When you add those 18 and 12 hours to the time spent traveling, getting ready, and trying to sleep, it's almost 36 hours. After about 40 hours, I finally got some sleep. No matter how tired I am, I can't sleep during the day." Priyanka Chahar Choudhary further explained that when she first received the offer for 'Naagin 7,' she wasn't ready to accept it. At the time, she wanted to do a show that emphasized natural and realistic acting, so she had some reservations about signing the project. She revealed that she received the call while she was traveling to the United States and told the team she needed more time to think. Priyanka explained that her team was surprised to hear from her, as the show is one of the biggest in television history. But ultimately, she accepted the offer. Now that "Naagin 7" has ended, the actress has not announced her next project.